अध्याय पंचम
सार, निष्कर्ष तथा सुझाव

अध्याय पंचम

सार, निष्कर्ष तथा सुझाव

5.1 प्रस्तावना :-

वर्तमान समय में पूर्व प्राथमिक शिक्षा पर अधिक जोर दिया जा रहा है। 6 वर्ष की उम्र समस्त विकास की आधार-शिला समझी जाती है। यह आधार शिला मजबूत व सुदृढ, रहे इसलिए माता के गर्भ से लेकर 6 वर्ष तक के बालकों के विकास पर सरकार एवं अन्य संस्थाओ का अधिक ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है। ग्रामीण तथा शहरी श्रमिक परिवारो के इस संदर्भ में अनेक प्रयास किये गये जिनमें से एक एकीकृत बाल विकास परियोजना है। जिसके अंतर्गत आंगनवाडियां संचालित की जाती है। ताकि इन क्षेत्रों में जहां सुविधाओं व जागरूकता की कमी है वहां बच्चो के विकास से संबंधित समस्त पक्षो पर जानकारी दे सकें बच्चो में विभिन्न कौशलो का विकास किया जा सके। आंगनवाडी केन्द्र द्वारा संचालित विभिन्न कार्यो को निश्चित मानदंडो के आधार पर तय किया गया है।

शोधकर्ता द्वारा इन्हीं कार्यो के कार्यक्रम का अध्ययन किया गया है। कि इनका संचालन इस लिए किया गया है। क्या ये भली-भांति उन कार्यो को कर रहे है। कुछ लाभ हो रहा है या नहीं शोधकर्ता का यह अध्ययन इसी संदर्भ में एक प्रयास है।

5.2 समस्या कथन :-

"पूर्व प्राथमिक शिक्षा के अंतर्गत आंगनवाडी कार्यक्रम का अध्ययन "

5.3 अध्ययन के उद्देश्य :-

1. होशंगाबाद जिले में पूर्व प्राथमिक शिक्षा के अंतर्गत आंगनवाड़ी की भौतिक संरचना व सुविधाओं का अध्ययन करना।
2. आंगनवाड़ी में दी जा रही अनौपचारिक शिक्षा का अध्ययन करना।
3. आंगनवाड़ी में दिये जा रहे पोषक आहार व स्वास्थ्य जांच का अध्ययन करना।
4. आंगनवाड़ी में बच्चों के विकास के लिए कराये जा रहे क्रियाकलापों का अध्ययन करना।
5. आंगनवाड़ी की शैक्षिक प्रविधि तथा शैक्षिक क्रियाकलापों का अध्ययन करना।

5.4 अध्ययन विधि :-

1. न्यायदर्श

प्रस्तुत अध्ययन के लिए चुने गये न्यायदर्श में होशंगाबाद जिले की 20 आंगनवाडी केन्द्रों को शामिल किया गया है जिसका चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया है।

2. उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन के लिए प्रदत्त संकलन हेतु शोधकर्ता द्वारा निम्नलिखित तीन उपकरणों का निर्माण किया गया है।

1 प्रश्नावली (कार्यकर्ता के लिए)

2 अवलोकन अनुसूची

3 साक्षात्कार अनुसूची (कार्यकर्ता के लिए)

3. अध्ययन विधि

प्रस्तुत अध्ययन एक वर्णानात्मक सर्वेक्षण है। जिसमें होशंगाबाद शहर के आंगनवाड़ी केन्द्र का वर्तमान परिदृश्य को जानने का प्रयास किया गया है।

5.5 प्रदत्त का संकलन :-

प्रस्तुत अध्ययन संबंधित प्रदत्त संकलन करने के लिए शोधकर्ता ने स्वंय निर्मित उपकरणों द्वारा प्रदत्तो का संकलन भ्रमण करके किया है। प्रदत्त संकलन के लिए प्रश्नावली तथा साक्षात्कार अनुसूची आंगनवाड़ी के कार्यकर्ता के लिए तैयार की गई है। तथा अवलोकन अनुसूची केन्द्र के लिए तैयार की गई है।

इन उपकरणों से प्राप्त जानकारी को एकत्रित करके तालिका बद्ध कर विश्लेषण तथा व्याख्या की गई है। प्रदत्तों के विश्लेषण तथा व्याख्या का वर्णन चतुर्थ अध्याय में किया है।

5.6 मुख्य परिणाम :-

प्रस्तुत अध्ययन में होशंगाबाद जिले की 20 आंगनवाड़ी केन्द्र का अध्ययन तथा अवलोकन से निम्नलिखित परिणाम प्राप्त हुए हैं।

- **पूर्व प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम से संबंधित :-**

1. 20 आंगनवाडी में से अधिकांश कार्यकर्ता इस कार्यक्रम की जानकारी रखते है। 15% (3) आंगनवाड़ियों के कार्यकर्ता को पूर्व प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम की स्पष्ट जानकारी है। जबकि 10 % (2) आंगनवाड़ियों के कार्यकर्ता इस कार्यक्रम के बारे में जानकारी तो है। परन्तु उद्देश्य के प्रति उदासीन रहे।
2. 35% (7) आंगनवाड़ियों के कार्यकर्ता ने बताया कि आंगनवाडी केन्द्र की सुविधाएं कुछ हद तक संतुष्टिजनक है।
3. 25 % (5) आंगनवाडियों कार्यकर्ता को महिने में एक बार प्रशिक्षण दिया जाता है। जबकि 75% (15) आंगनवाड़ियों के कार्यकर्ताओं को 3 माह में एक बार प्रशिक्षण देते है।
4. सभी आंगनवाड़ियों के कार्यकर्ताओं को स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण पोषण, आहार, अनौपचारिक शिक्षा का प्रशिक्षण दिया जाता है। तथा सभी कार्यकर्ता स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, पोषण आहार, अनौपचारिक शिक्षा की जानकारी रखते है।
5. 10 % (2) आंगनवाडी के कार्यकर्ताओं ने बताया कि अभिभावक से संपर्क करने का निश्चित समय नहीं है, जबकि 50 % (10) आंगनवाडियों के कार्यकर्ता महिने में एक बार अभिभावक से संपर्क करते है।
6. 75 % आंगनवाडी के कार्यकर्ताओ को समुदाय का सहयोग हर महिने मिलता है। जबकि 10 % (2) कार्यकर्ताओं का कहना है कि समुदाय का सहयोग का समय निश्चित नहीं है।

- **भौतिक सुविधाएं :-**

7. 20 अंगनवाडी केन्द्रों की भौतिक सुविधाओं में कमरा, किचन पीने का पानी, स्टोर रूम, फर्श/दरी, अन्य सुविधाएं अधिक है। जबकि 15 % (3) आंगनवाड़ियों में बरामदा

तथा 25 % (5) आंगनवाड़ियों में शौचालय की व्यवस्था पाई गई। किसी भी आंगनवाडी में सोने की व्यवस्था नहीं पाई गई।

- **शैक्षिक सुविधाएं :-**

8. शैक्षिक सुविधाओं में चाठग, खिलौने, कहानी की पुस्तकें, विभिन्न आकार के ब्लॉक्स, विभिन्न रंग की वस्तु ज्यादातर आंगनवाडी में पाई गई, जबकि श्यामपट, रंगीन चॉक, डस्टर बहुत कम आंगनवाडी में पाए गए। किसी भी आंगनवाडी में श्रृव्य साधन सामग्री नहीं पाई गई। तथा कुछ खिलौने टूटे हुए पाए गए।

- **खेलने की सुविधाएं :-**

9. खेलने की सुविधाओं में खेलने का मैदान, खिलौने, गेंद, ब्लॉक ज्यादातर आंगनवाडी में पाए गए। जबकि झूलें, फिसल पट्टी, मोती, बहुत कम आंगनवाडी में पाए गए। 20% (4) आंगनवाडी में झूले, फिसलपट्टी पाए गए जिसकी स्थिति ठीक नहीं थी। अधिकतर खिलौनें पुराने थे। तथा कुछ खिलानें टूटे, हुए हैं।

- **प्राथमिक उपचार संबंधित सुविधाएं :-**

10. प्राथमिक उपचार संबंधित सामग्री में कैंची, कॉटन, डिटॉल, पट्टी गोलियां, थर्मामीटर अधिकांश आंगनवाडी में पाए गए जबकि 20%(4) आंगनवाडी में वजन मापन यंत्र पाया गया। जो कि ठीक स्थिति में था।

अनौपचारिक शिक्षा से संबंधित परिणाम

- **भाषा विकास :-**

11. अधिकांश आंगनवाडियों में कहानियाँ, गीत व कविता विभिन्न आवाज, कहना, शब्द पुरावृत्ति, प्रश्न पूछना, चित्र पाठन द्वारा बच्चों में भाषा विकास कराया जाता है। जबकि 45 % (9) आंगनवाडियों में ही खेल द्वारा भाषा विकास कराया जा रहा है।

12. अधिकांश आंगनवाडियों में पढ़ाई की तैयारी के लिए अक्षर- ज्ञान, चित्र, पाठन, जोड़ा बनाना, फ्लेश कार्ड चार्ट/ चित्र का उपयोग करते है। जबकि किसी थी आंगनवाडी में पुस्तक पाठन द्वारा पढ़ाई की तैयारी नहीं कराई जाती है।

13. बच्चों में लेखन की तैयारी तथा नेत्र हाथ समन्वय के लिए डॉट जोड़ना, चित्र बनाना, प्रिटिंग, गेंद, ब्लॉक के खेल, मोती के खेंल क्रमबद्व करना, अधिकांश आंगनवाडियों में

क्रियाएं कराई जाती हैं। जबकि 35% (7) आंगनवाडियों में नमूने द्वारा नेत्र हाथ समन्वय की क्रियांए कराई जाती है।

14. बच्चों में गणित की तैयारी के लिए सभी आंगनवाडी में बड़ा- छोटा, कम ज्यादा, दायां- बाया, दूर- पास, हल्का - भारी, लंबा- छोटा की क्रियाएं कराई जाती हैं।

15. अधिकांश आंगनवाडियों में संगीत वाद्ययंत्र तथा शिक्षक की आवाज द्वारा बच्चों में आवाजों की पहचान व अंतर के लिए क्रियाएं कराते है। जबकि किसी भी आंगनवाडी में टेपरिकार्डर, सी.डी., कम्प्यूटर का उपयोग नहीं करते है।

- **बौद्धि विकास :-**

16. अधिकांश आंगनवाड़ियों में बच्चों की बौद्धिक विकास के लिए वस्तु पहचानना, वस्तु तुलना, कहानी, चित्र मॉडल, विभिन्न आकृति का उपयोग करते है? जबकि सिर्फ 35% (7) आंगनवाड़ियों में स्थायी सामग्री द्वारा बौद्धिक विकास कराया जाता है।

- **सामाजिक विकास :-**

17. अधिकांश आंगनवाड़ी में बच्चों में सामाजिक विकास के लिए समूह खेल, समूह भोजन, समूह कार्य कराया जाता है। जबकि 25% (5) आंगनवाडी में समूह नाटक द्वारा सामाजिक विकास कराया जाता है।

- **शारीरिक विकास :-**

18. अधिकांश आंगनवाडी में बच्चों की बड़ी मांस-पेशियों के विकास के लिए गोल दायरे में चलना, भागना, सरकना/ पलटना, उछलना, फेंकना, खेल कूद कराए जाते है। जबकि 15% (3) आंगनवाडी में पानी से खेलना द्वारा छोटी मांसपेशियों का विकास कराया जा रहा है।

- **ज्ञानेन्द्रिय संवेदना :-**

19. ज्ञानेन्द्रिय संवेदना के विकास के लिए दृश्य संवेदना के लिए विभिन्न आकार व बनावट की वस्तु, स्वाद के लिए मीठा-खट्टा, नमकीन, स्पर्श के लिए, कठोर, नर्म सूखा, गीला, श्रृव्य के लिए, विभिन्न आवाज के लिए अधिकांश आंगनवाडी में क्रियाएं कराई जाती हैं। जबकि 20% (4) आंगनवाडियों में ही विभिन्न गंध की वस्तु द्वारा गंध ज्ञानेन्द्रिय संवेदना का विकास किया जा रहा है।

- **सृजनात्मक तथा कलात्मक विकास :-**

20. सृजनात्मक तथा कलात्मक विकास के लिए अधिकांश आंगनवाडी में कागज की नाव, गेंद बनाना, बिंन्दी से बिन्दी मिलाना, रंगोली बनाना, जमीन पर आकृति, फिरकनी, रंग के छापे बनाना, रंग भरना अन्य क्रियाएं कराई जाती है। जबकि 40 %(8) आंगनवाडी में मिट्टी से आकृति द्वारा सृजनात्मक तथा कलात्मक विकास कराया जाता है।

- **पोषण आहार, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच :-**

21. सभी आंगनवाडी के कार्यकर्ता संतुलित आहार के बारे में जानकारी रखते हैं।

22. 20 % (4) आंगनवाडी कार्यकर्ता का कहना है कि दिया जा रहा पोषण आहार पूर्ण रूप से बच्चों के विकास में सहायक नहीं है।

23. सभी आंगनवाडी के कार्यकर्ता टीकाकरण की जानकारी रखते है। तथा टीकाकरण सिस्टर के माध्यम से करवाते हैं।

24. 90 % (18) आंगनवाडियों के कार्यकर्ता जन्मदर व मृत्यु दर का पता सर्वे द्वारा लगाते है। जबकि 10 % (2) आंगनवाडियों के कार्यकर्ता स्वास्थ्य विभाग द्वारा जानकारी लेकर जन्मदर व मृत्युदर का पता लगाते हैं।

25. अधिकांश आंगनवाडी में पोषण आहार मे दलिया, कुरकरे, मुरमुरे, नमकीन, देते है। 15% (3) आंगनवाडियों में ब्रेड तथा 25% (5) आंगनवाडियों में खीर पूडी का वितरण हफ्ते में एक बार किया जाता है।

26. सभी आंगनवाडियों के कार्यकर्ता पोषण आहार सुबह वितरित करते हुए पाए गए है। 20% (4) आंगनवाडियों में 75 ग्राम पोषण आहार की मात्रा वितरित करते हुए पाए गए। जबकि 80% (16) आंगनवाडी में 85 ग्राम पोषण आहार की मात्रा वितरित करते हैं।

27. सभी आंगनवाडी केन्द्र में प्रतिमाह तथा प्रतिवर्ष का अभिलेख रखा हुआ पाया गया।

28. सभी आंगनवाडी केन्द्रों में स्वास्थ्य देख रेख व टीकाकरण के कारण क्षेत्रों में रोंगो की संख्या कम हुई है।

5.7 सुझाव

प्रस्तुत अध्ययन कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निम्न सुधार किया जा सकता है।

1. आंगनवाड़ी केन्द्र के लिए स्थायी भवन हो, जिसमें खुला स्थान होना चाहिये। खुले स्थान पर पेड़ पौधे लगाना चाहिये।
2. प्राथमिक उपचार सामग्री का स्टाक उपयोगी हो। ताकि उसका उपयोग किया जा सके।
3. भौतिक सुविधाओं की सामग्री को बढ़ाई जाये।
4. पोषण आहार की मात्रा बढ़ाई जाये।
5. कार्यकर्ताओं को समय पर केन्द्र को खोलने के लिए निरंतर उनका निरीक्षण करना चाहिये।
6. अनौपचारिक शिक्षा देने के लिए शिक्षण सामग्री अधिक मात्रा में दी जाये।
7. अनौपचारिक शिक्षा से संबंधित क्रियाकलापों में वृद्धि की जाये।

5.8 शोध हेतु सुझाव

शोधकर्ता ने शोध के उद्देश्य तथा समय सीमा को ध्यान में रखते हुए, शोध कार्य को पूर्ण किया है। परन्तु इससे संबंधित अन्य निम्नलिखित पहलुओं पर शोध कार्य करने की गुंजाईश है।

1. आंगनवाडी कार्यकर्ता के प्रशिक्षण से संबंधित कार्यक्रम के प्रभाविता का अध्ययन करना।
2. आंगनवाडी संचालन हेतु कार्यकर्ताओं द्वारा सामना किये जा रहे व्यवधानों का अध्ययन करना।
3. पूर्व प्राथमिक स्तर पर शिक्षण में संगीत विधि की प्रभावोत्पादकता का अध्ययन करना।
4. पूर्व प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों में निहित मूल्यों का अध्ययन करना।
5. इसी अध्ययन को वृहद न्यादर्श पर किया जा सकता है।